राज्य की नर्सरियों में 2023 तक 52 लाख रूट स्टॉक तैयार करने की क्षमता : महेन्द्र सिंह

1134 करोड़ की बागवानी परियोजना पर परामर्शी एजेंसी के साथ बैठक

हिमाचलवार्ता समाचार सेवा

शिमला। हिमाचल प्रदेश की नर्सरियों में 2023 तक 52 लाख सेब के रूट स्टॉक तैयार करने की क्षमता है और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अभी से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। यह बात सिंचाई एवं जनस्वास्थ्य और बागवानी मंत्री महेन्द्र सिंह ठाकुर ने यहां प्रदेश के लिए 1134 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी बागवानी परियोजना में प्रगति को लेकर न्यूजीलैण्ड व नीदरलैण्ड की परामर्शी एजेन्सी के साथ बैठक के दौरान कही।

बागवानी मंत्री ने चिंता जाहिर की कि विदेशों से बड़े पैमाने पर रूट स्टॉक मंगवाए गए, जिनमें से लगभग 50 प्रतिशत पहुंचते ही सूख गए। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की भौगोलिक स्थितियां व जलवायु उन देशों से भिन्न हैं, जहां से इस प्रकार के रूट स्टॉक मंगवाए जाते रहे हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि प्रदेश की नर्सरियों में यहां की जलवायु के अनुकूल रूट स्टॉक तैयार करने की बेहतर संभावना मौजूद है और विभागीय अधिकारियों को इसके लिए लक्ष्य निर्धारित कर आने वाले समय में शत-प्रतिशत पौध यहीं पर तैयार करने के लिए अभी से प्रयास करने होंगे। हालांकि, 2023 तक 13 लाख रूट स्टॉक मौजूदा अधोसंरचना के अनुरूप तैयार होंगे, लेकिन एक सुनियोजित ढंग से ढांचागत सुविधाओं को मजबूत कर इसे लगभग चार गुणा तक बढ़ाने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि रूट स्टॉक के आयात को धीरे-धीरे कम करके राज्य की नर्सरियों की निर्भरता को बढ़ाएंगे।

महेन्द्र सिंह ठाकुर ने कहा कि यह परियोजना मुख्य रूप से सेब, नाशपाती जैसे सम-शीतोष्ण पौधों के विस्तार व पुनरुद्धार के लिए है, इसलिए आवश्यक है कि पौधों का आयात करने से पूर्व राज्य में भौगोलिक स्थितियों, सिंचाई की सुविधा व मिट्टी की जांच जैसे पहलूओं का पूरी तरह अध्ययन किया जाना चाहिए।

14वीं हीरो एमटीबी हिमालय बाईकिंग दौड़ 27 सितम्बर को रवाना की जाएगी

हिमाचलवार्ता समाचार सेवा

शिमला। अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन राम सुभग सिंह ने गत दिवस यहां बताया कि हिमालयन साहसिक खेलें एवं पर्यटन प्रोत्साहन संघ द्वारा पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 27 सितम्बर से 6 अक्तूबर, 2018 तक 14वीं हीरो हिमालय 2018 का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दौड़ को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर 27 सितम्बर को ऐतिहासिक रिज शिमला से रवाना किया जाएगा, जो 6 अक्तूबर, 2018 को धर्मशाला में सम्पन होगी। उन्होंने कहा कि हीरो एमटीबी हिमालय एशिया की सबसे पुरानी तथा विश्व की सबसे कठिन क्रॉस कन्ट्री मैराथन स्टाईल एमटीबी बाईक दौड़ है। उन्होंने कहा कि विश्व के 14 देशों के शीर्ष 75 साईक्लिस्ट भाग लेंगे।

हिमालयन साहसिक खेलें एवं पर्यटन प्रोत्साहन संघ के अध्यक्ष मोहित सूद ने कहा कि बाईक दौड़ 8 चरणों व 9 दिनों में 650 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। उन्होंने कहा कि हिमालयन साहसिक खेलें एवं पर्यटन प्रोत्साहन संघ ने माउंटेन बाईकिंग सहित भारतीय साहसिक खेलों में उत्कृष्टता हासिल की है और हिमाचल हिमालय को माउंटेन बाईक संस्कृति में देश में अग्रणी स्थान पर लाया है।

युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के सचिव दिनेश मल्होत्रा, निदेशक पर्यटन राकेश कंवर और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में मौजूद रहे।

सहकारी सभाऐं बहुददेशीय सेवा केंद्र के रूप में विकसित होगी : बलदेव भंडारी

हिमाचलवार्ता समाचार सेवा

नाहन। सहकारी सभाओं में व्यापारिक क्रियाकलापों का विस्तार करके इन्हें बहुददेशीय सेवा केंद्र के रूप में विकसित किए जाएगे ताकि ग्रामीण स्तर पर लोगों को सहकारी सभाओं के माध्यम से बेहतर सुविधाऐं भी मिले ।

यह जानकारी हिमाचल प्रदेश राज्य सहाकारी बैंक के निदेशक एवं किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष बलदेव भंडारी ने गत दिवस यहां कबीरा होटल में कृषि सहकारी कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान तथा नाबार्ड के संयुक्त तत्वाधान में सहकारी सभाओं में कार्यरत सचिवों के लिए व्यापार विकास योजना एवं बहुउद्देशी सेवा केंद्र विकसित करने हेतू आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए दी ।

बलदेव भंडारी ने कहा कि प्रदेश में कुछ सहकारी सभाओं को छोड़कर अधिकांश सभाऐं केवल सार्वजनिक वितरण प्रणाली के खाद्यान्न वितरित करने का कार्य करती है जिससे यह सभाऐं आर्थिक रूप से काफी कमजोर हो गई है । उन्होने कहा कि सहकारी सभाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए इनके व्यापारिक क्रियाकलापों में विस्तार किया जाएगा और इन सभाओं में लोगों को आवश्यक सुविधाऐं मिल सके ।

उन्होने सहकारी सभाओं के सचिवों को सलाह देते हुए कहा कि पीडीएस के साथ साथ बैंकिग गतिविधियों में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे ताकि किसानों को घरद्वार पर जमा और ऋण की सुविधा प्राप्त हो सके । उन्होने कहा कि जो सभाऐं केवल डिपोजिट का कार्य कर रही है वह किसानों को ऋण देने का कार्य भी करे ताकि लोग इसका लाभ उठा सके ।

बलदेव भंडारी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक लोगों को बेहतर बैंक सुविधाऐं प्रदान करने के लिए देश के अग्रणी बैंकों में से एक है । उन्होने जानकारी दी कि बैंक में वर्तमान में 15318 करोड़ का कारोबार हो रहा है जिसमें 10028 जमा पूंजी व 5290 करोड़ की राशि ऋण के रूप में लोगों को दी गई है । जिसमें से जिला सिरमौर का 1190 करोड़ का कारोबार शामिल है । उन्होने बताया कि जिला सिरमौर में 121 सहकारी सभाऐं क्रियाशील है जिनके माध्यम से लोगों को पीडीएस की सुविधाऐं उपलब्ध हो रही है। इससे पहले कृषि सहकारी कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान शिमला के वरिष्ठ प्रवक्ता सीता राम ठाकुर ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और प्रशिक्षण संबधी जानकारी विस्तार से दी । उन्होने कहा कि इस प्रशिक्षण शिविर में सिरमौर की 35 सहकारी सभाओं के सचिवों ने भाग लिया । उन्होने बताया कि इस दौरान प्रशिक्षाणार्थियों को बेहतर कार्य करने वाली सभाओं का भ्रमण करवाया जाएगा ताकि उन्हें बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिल सके।

इस अवसर पर जिला प्रबंधक हिप्र राज्य सहकारी बैंक शिव कुमार द्वारा मुख्य अतिथि को शॉल और टोपी पहनाकर सम्मानित किया।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना क्रियान्वयन में हिमाचल सर्वश्रेष्ठ

बिलासपुर उत्तर भारत में सर्वश्रेष्ठ जिला

हिमाचलवार्ता समाचार सेवा

नाहन। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के कार्यन्वयन में हिमाचल प्रदेश को देश भर में सर्वश्रेष्ठ आंका गया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. राजीव सैजल ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि इस योजना के अंतर्गत 31 अगस्त, 2018 तक 51,234 पंजीकृत लाभार्थियों के खातों में 1747.67 लाख रुपए की सहायता प्रदान की गई है। योजना के तहत 57,109 लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया था। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश को ये सम्मान मिलना गौरव की बात है और मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के नेतृत्व में सरकार महिला कल्याण के लिए बेहतर ढंग से कार्य करने को प्रतिबद्ध है।

डॉ. सैजल ने कहा कि केन्द्र सरकार के महिला एंव बाल कल्याण मंत्रालय ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का एक साल पूरा होने पर देश भर में 1-7 सितम्बर 2018 तक मातृ वंदना सप्ताह मनाया था। इसके अंतर्गत पुरस्कार वितरण कार्यक्रम सात सितम्बर को देहरादून में हुआ। हिमाचल प्रदेश की ओर यह सम्मान महिला व बाल कल्याण विभाग के निदेशक हंसराज शर्मा और पीएमएमवीवाई के राज्य नोडल अधिकारी एवं उप निदेशक डॉ. ओंकार सिंह ठाकुर ने प्राप्त किया।

उत्तर भारत में इस योजना के कार्यान्वयन के लिए बिलासपुर जिले को सर्वश्रेष्ठ जिले का पुरस्कार भी मिला है। डॉ. सैजल ने बिलासपुर के लोगों तथा जिला प्रशासन को बधाई देते हुए कहा कि अन्य जिले भी भविष्य में इसका अनुसरण कर और बेहतर प्रदर्शन करेंगे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने सभी पात्र महिलाओं को योजना का लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से भी योजना का और अधिक प्रचार-प्रसार करने को कहा है।

मुख्यमंत्री ने दिए क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मुरम्मत के निर्देश

हिमाचलवार्ता समाचार सेवा

शिमला। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने बरसात के मौसम के दौरान अत्यधिक वर्षा और भू:स्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की तत्काल और गुणवत्तायुक्त मुरम्मत व रख-रखाव सुनिश्चित करने के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री गत दिवस यहां राष्ट्रीय राजमार्गों के वर्षा से क्षतिग्रस्त होने पर उनकी मुरम्मत व पुनर्बहाली के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ढलानों को स्थिर करने के लिए रॉक बोल्टिंग जैसी नई तकनीक को अपनाने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि निष्पादन एजेंसियों को भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में पर्याप्त श्रमशक्ति व मशीनों की तैनाती सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि भूस्खलन की स्थिति में सड़क को शीघ्र बहाल किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार गड्ढों से मुक्त तथा बेहतर सड़कें सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दे रही है ताकि यात्रियों को यात्रा करते समय किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जय राम ठाकुर ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर वाहनों का आसान प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए इन सड़कों से ढीली मिट्टी और पत्थरों को हटाने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि भारी वर्षा के कारण सड़कों को न्यूनतम नुकसान हो, इसके लिए उपयुक्त जल निकासी तथा परनालियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए एक दीर्घकालीन रणनीति तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि दीवारों, ब्रेस्टवॉलज तथा पैदल मार्गों के निर्माण के दौरान उच्च गुणवत्तायुक्त मानदण्डों को अपनाया जाना चाहिए ताकि ये दुर्गम स्थितियों का सामना कर सकें।

मुख्यमंत्री ने गड्ढों को भरने तथा राष्ट्रीय राजमार्गों की आपात मुरम्मत सुनिश्चित बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए और कार्यवाही रिपोर्ट 10 दिनों के भीतर उनके कार्यालय में प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने कहा कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में मुरम्मत का प्रावधान किया जाना चाहिए ताकि भविष्य में सड़कों की प्रभावी मुरम्मत एवं रख-रखाव सुनिश्चित किया जा सके।

जय राम ठाकुर ने किरतपुर-मनाली फोरलेन पर धीमी गति से कार्य पर नाराज़गी जाहिर करते हुए कहा कि यह सड़क राज्य में पर्यटन की दृष्टि से प्रमुख जीवन रेखा है।